चतुर्थः पाठः

क्षान्ति-सौख्यम्

(सहनशीलता का सुख)

[यह पाठ श्री व्यास-रचित महाभारत से लिया गया है। अपने शिष्य सञ्जय को दिव्य दूरदृष्टि व्यास ने ही दी थी, जिससे सुदूर हो रहे महाभारत युद्ध का आँखोंदेखा हाल सञ्जय ने धृतराष्ट्र को सुनाया था। प्रस्तुत पाठ में युद्ध के अन्त में शर-शय्या पर लेटे हुए भीष्म पितामह के द्वारा युधिष्ठिर को दिये गये उपदेशों का कुछ अंश है। क्षमा द्वारा मनुष्य को जीवन की सार्थकता प्राप्त होती है। यह सर्वोपरि गुण है।]

यो दुर्लभतरं प्राप्य मानुषं द्विषते नरः।
धर्मावमन्ता कामात्मा भवेत् स खलु वञ्चते।।1।।

सान्त्वेनान्नप्रदानेन प्रियवादेन चाप्युत।
समदुःखसुखो भूत्वा स परत्र महीयते।।2।।

आक्रुश्यमानो नाक्रुश्येन्मन्युरेनं तितिक्षतः।
आक्रोष्टारं निर्दहति सुकृतं च तितिक्षतः।।3।।

सक्तस्य बुद्धिश्चलति मोहजालविवर्धिनी।
मोहजालावृतो दुःखमिह चामुत्र चाश्नुते।।4।।

अतिवादांस्तितीक्षेत नाभिमन्येत कञ्चन।
क्रोध्यमानः प्रियं ब्रूयादाक्रुष्टः कुशलं वदेत्।।5।।

भैषज्यमेतद् दुःखस्य यदेतन्नानु चिन्तयेत्।
चिन्त्यमानं हि न व्येति भूयश्चापि प्रवर्धते।।6।।

सर्वे क्षयान्ताः निचयाः पतनान्ताः समुच्छ्रयाः।
संयोगाः विप्रयोगान्ताः मरणान्तं हि जीवितम्।।7।।

दमः क्षमा धृतिस्तेजः संतोषः सत्यवादिता।
ह्रीरहिंसाऽव्यसनिता दाक्ष्यं चेति सुखावहाः।।8।।

ये क्रोधं सन्नियच्छन्ति क्रुद्धान् संशमयन्ति च।
न कुप्यन्ति च भूतानां दुर्गाण्यति तरन्ति ते।।9।।

अभयं यस्य भूतेभ्यो भूतानामभयं यतः।
तस्य देहाद् विमुक्तस्य भयं नास्ति कुतश्चन ।।10।।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित श्लोकों की ससन्दर्भ हिन्दी में व्याख्या कीजिए–
   (क) यो दुर्लभतरं ..... वञ्चते।
   (ख) सर्वे क्षयान्ताः ..... जीवितम्।
   (ग) अभयं ..... कुतश्चन।
   (घ) सक्तस्य ..... चाश्नुते।
   (ङ) भैषज्यमेतद् दुःखस्य ..... प्रवर्धते।
   (च) सान्त्वेनान्नप्रदानेन ..... परत्र महीयते।
   (छ) दमः क्षमा धृतिस्तेजः ..... चेति सुखावहाः।
2. निम्नांकित सूक्तियों की हिन्दी में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए–
   (क) भैषज्यमेतद् दुःखस्य यदेतन्नानु चिन्तयेत्।
   (ख) संयोगाः विप्रयोगान्ताः मरणान्तं हि जीवितम्। **(2019AT)**
   अथवा मरणान्तं हि जीवितं। **(2020MO)**
   (ग) मोहजालावृतो दुःखमिह चामुत्र चाश्नुते। **(2019AP)**
   (घ) धर्मावमन्ता कामात्मा भवेत स खलु वञ्चते।
   (ङ) सर्वे क्षयान्ताः निश्चयः पतनान्ताः समुच्छ्रयाः।
3. निम्नलिखित श्लोकों का संस्कृत में अर्थ लिखिए–
   (क) आक्रुश्यमानो ..... तितिक्षतः।
   (ख) दमः ..... सुखावहाः। **(2019AU)**
   (ग) ये क्रोधम् ..... तरन्ति ते।
   (घ) यो दुर्लभतरं ..... वञ्चते।
   (ङ) अभयं यस्य ..... कुतश्चन।
   (च) सर्वे क्षयान्ताः ..... हि जीवितम्। **(2020MP)**
4. सन्धि-विच्छेद कीजिए–
   नास्ति, भूयश्चापि, कुतश्चन, यदेतन्नानु चिन्तयेत्।
5. निम्न शब्दों में लकार एवं वचन बताइए–
   भवेत, वदेत, तरन्ति, ते, दहति।

➨ आन्तरिक मूल्यांकन

महाभारत के सम्बन्ध में आप क्या जानते हैं? संक्षेप में लिखिए।